सिर्फ एक फॉर्मेट में खेल रहे हैं एंडरसन

इस इंग्लिश तेज गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में खुद को स्थापित करने के बारे में बहुत पहले ही अपनी योजनाओं पर काम शुरू कर दिया था। खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के लिए एंडरसन ने 5 साल पहले ही वनडे क्रिकेट छोड़ सिर्फ टेस्ट में फोकस शुरू कर दिया था और 10 साल पहले ही वह टी20 क्रिकेट छोड़ चुके थे।

एंडरसन का स्मूद ऐक्शन है उनकी कामयाबी का असली राज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इंग्लैंड। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन हाल में 600 विकेट क्लब में शामिल होने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बने। 38 वर्षीय एंडरसन की निगाहें अब 700 क्लब में शामिल होने की हैं। जानें एंडरसन की बोलिंग में ऐसा क्या खास है, जो टेस्ट क्रिकेट के करीब 150 साल (146 साल) के इतिहास में इस मुकाम को हासिल करने वाले वह दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बने। वासन कहते हैं, आप एंडरसन के स्मूद बोलिंग ऐक्शन को देखिए, एक दशक पहले उन्होंने इसमें कुछ जरूरी परिवर्तन किया था। इस बदलाव से उन्हें अधिक उम्र तक खेलने में मदद मिल रही है।

ऐक्शन में है क्या खास: एंडरसन अपने रनअप पर स्मूद दौड़ लगाते हैं और उनका जंप भी ऊंचा नहीं है और लैंडिंग भी परफैक्ट है। उनका ऐक्शन ऐसा शानदार है, जैसा बताया जाता है। इससे उनके शरीर पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं बनता, जो उनके लंबा खेलने में सहायक है। इन दिनों दुनिया भर क्रिकेटर पैसा कमाने के मकसद से दुनिया भर में खेली जा रहीं विभिन्न टी20 लीग में हिस्सा लेते हैं। इंटरनैशनल क्रिकेट के साथ–साथ लीग क्रिकेट खेलने से पैसा तो जरूर मिलता है लेकिन शरीर को उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है।

गेंद पर पसीने का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे कंगारू

क्रिकेट

सीमित ओवरों के प्रारूप में ज्यादा असर नहीं पड़ेगाः स्टार्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

साउथैम्पटन। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कोविड–19 संक्रमण के फैलने के जोखिम को कम करने की कोशिश में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के दौरान गेंद को चमकाने के लिए अपने खिलाड़ियों को सिर, चेहरे और गर्दन से पसीने के इस्तेमाल से रोक दिया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कोविड–19 महामारी से बचने के लिए अंतरिम स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए गेंद पर लार के इस्तेमाल को प्रतिबंधित कर दिया है। हालांकि खिलाड़ी शरीर पर कहीं से भी पसीने का इस्तेमाल कर सकता हैं और गेंद पर लगा सकते हैं। लेकिन सीए इस वायरस के फैलने के किसी भी जोखिम को कम करने के लिए सतर्कता बरत रहा है। क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार बोर्ड की चिकित्सा सलाह के आधार पर

उसने अपने खिलाड़ियों को कहा कि वे मुंह या नाक के पास से पसीने का इस्तेमाल नहीं करें।

इससे खिलाड़ियों के पास 4 सितंबर से साउथैम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज के दौरान पेट या कमर के पास से ही पसीने के इस्तेमाल का विकल्प बचता है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को लगता है कि इससे सीमित ओवरों के प्रारूप में ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

स्टार्क ने कहा, सफेद गेंद की क्रिकेट में यह इतना अहम नहीं है। एक बार नई गेंद से खेलना शुरू होता है तो आप इसे सूखा रखने की कोशिश करते हो। यह लाल गेंद की क्रिकेट में ज्यादा अहम होता है। इंग्लैंड के खिलाड़ी वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के दौरान अपनी पीठ और माथे से पसीने का इस्तेमाल करते हुए दिखाई दिये थे।

स्टार्क ने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान हमने इसे देखा, जोफ्रा (आर्चर) अपनी पीठ से पसीने का इस्तेमाल कर रहे थे। स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में भी शामिल हैं, उन्हें लगता है कि अगर चीजें नहीं बदलती हैं तो टीम के घरेलू सत्र के दौरान इसी तरह की पाबंदियां बरकरार रहेंगी। हालांकि इस तेज गेंदबाज ने कहा कि जब टीम की टेस्ट सीरीज शुरू होंगी तो इस संबंध में चर्चा करनी होगी।

तेंडुलकर, एमएस धोनी और विराट कोहली की श्रेणी जॉइन करना सम्मान की बात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टीम इंडिया में सीमित ओवर के उपकप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनके लिए यह सम्मान की बात है कि उन्हें इस साल राजीव गांधी खेल रत्न पुररस्कार – देश के सवोच्च खेल पुरस्कार से नवाजा जा रहा है। रोहित शर्मा और टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा, रेसलर विनेश फोगाट, पैरालिंपियन मरिप्पन थंगावेलू और भारतीय हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल को इस साल खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। इन खिलाड़ियों को 29 अगस्त को होने वाले नैशनल खेल पुरस्कार समारोह (वर्चुअल) में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। कोविड– 19 के कारण

रोहित ने वादा किया कि अपना ऐसा प्रदर्शन जारी रखेंगे, जो देश को खुशियां दे

यह पुरस्कार समारोह पहली बार ऑनलाइन आयोजित किया जा रहा है।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा का एक वीडियो अपने ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट किया है। इस वीडियो में रोहित खुद को देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के ऐलान पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अपने इस संबोधन में उन्होंने यह वादा किया अपना ऐसा प्रदर्शन जारी रखेंगे, जो देश को खुशियां दे। रोहित सीमित ओवर फॉर्मेट में टीम इंडिया का अहम हिस्सा हैं, जो निरंतरता के साथ टीम के लिए रन बना रहे हैं। 2019 वर्ल्ड कप में रोहित के शानदार परफॉर्मेंस के बाद इस साल के लिए उनके नाम को इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड के चुना गया। इस टूर्नमेंट में वह सर्वाधिक (648) रन बनाने वाले बल्लेबाज थे, जिसमें उनके रेकॉर्ड 5 शतक शामिल थे। इस सम्मान को हासिल करने वाले रोहित देश के चौथे क्रिकेटर बनेंगे। उनसे पहले यह पुरस्कार सचिन तेंडुलकर, एमएस धोनी और विराट कोहली को मिल चुका है।

रोहित ने कहा कि वह इस विशिष्ट लिस्ट में अपना नाम पाकर खुद को बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जहां पहले से ही तीन महान क्रिकेटर शामिल हैं। इस 33 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा, देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार मिलने की बात सुनकर अच्छा महसूस हो रहा है।

आईपीएल में डोपिंग रोकने के लिए नाडा का खास प्लान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत की नैशनल ऐंटी–डोपिंग एजेंसी ने इंडियन प्रीमियर लीग के लिए डोप टेस्टिंग प्रोग्राम तैयार कर लिया है। आईपीएल की शुरुआत 19 सितंबर से यूएई में हो रही है। टूर्नमेंट का फाइनल 10 नवंबर को खेला जाएगा।

नाडा यूएई में कुल कुल मिलाकर पांच डोप कंट्रोल स्टेशन यानी डीसीएस स्थापित करेगी। इसमें से तीन उन मैदानों पर बनाए जाएंगे जहां लीग के मैच खेले जाने हैं। यानी दुबई, अबू धाबी और शारजाह में, इसके अलावा ट्रेनिंग के लिए तय किए गए मैदान– आईसीसी अकादमी, दुबई और जायद क्रिकेट स्टेडियम, अबू धाबी में भी एक–एक सेंटर बनाया जाएगा।

नाडा के निदेशक, नवीन अग्रवाल ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि डोप कंट्रोल ऑफिसर्स को प्लेइंग वैन्यू पर इन–कॉम्पीटिशनश टेस्ट करने को कहा गया है वहीं आउट ऑफ कॉम्पीटिशनश जांच सख्त रूप से ट्रेनिंग साइट्स पर की जाएगी। टूर्नमेंट के दौरान क्रिकेटर्स के 50 सैंपल जमा किए जाएंगे।

न्यूज डायरी

पुरुष डबल्स में ब्रायन ब्रदर्स की सर्वकालिक सफल जोड़ी ने किया संन्यास का ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। टेनिस में पुरुष युगल वर्ग की महान जोड़ी बॉब और माइक ब्रायन ने गुरुवार को संन्यास की घोषणा कर दी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक पुरुष युगल की सर्वकालिक सबसे सफल जोड़ी ने तत्काल प्रभाव से संन्यास ले लिया। इन दोनों भाइयों ने पहले कहा था कि वह 2020 अमेरिका ओपन के बाद संन्साय लेंगे, लेकिन इन दोंनों ने ग्रैंड स्लैम से पहले ही खेल को अलविदा कह दिया क्योंकि कोविड–19 के कारण इस टूर्नमेंट में दर्शक नहीं होंगे। इन दोनों भाइयों ने मिलकर 119 टूर्नमेंट जीते हैं, जिसमें 16 ग्रैंड स्लैम खिताब शामिल हैं। बीबीसी ने बॉब ब्रायन के हवाले से लिखा, श्हमारे लिए दर्शक ही अमेरिका ओपन को जादुई बनाते थे। यह हर किसी को धन्यवाद देने और माहौल को आखिरी बार जीने की बात थी। उनके भाई माइक ने न्यू यार्क टाइम्स से कहा, श्हम दोनों को लगा कि यह सही समय है। इस फैसले में उम्र और फिटनेस ने भी अहम रोल निभाया है।

चैनल सेवन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से करार तोड़ने की धमकी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। पहले ही परेशानियों से जूझ रहे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पर आगे वित्तीय संकट गहरा सकता है। क्योंकि चौनल सेवन ने 2020–21 सत्र के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को उचित तरीके से व्यवस्थित नहीं करने पर उसके साथ 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करार समाप्त करने की धमकी दी है। चैनल सेवन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ 2018 में 6 साल के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करार किया था। लेकिन कोविड–19 महामारी के कारण कार्यक्रम अस्त–व्यस्त हो गया है और ऐसे में प्रसारक सत्र में क्रिकेट टूर्नमेंटों की स्थिति को लेकर चिंतित है क्योंकि संभावना है कि यात्रा प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बिग बैश लीग में न खेल पाएं। चैनल सेवन के मुख्य कार्यकारी जेम्स वारबर्टन ने गुणवत्ता को भी संख्या के समान ही महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा, गुणवत्ता दायित्व भी सर्वोपरि है।

टी20 फॉर्मेट के लिए अलग टीम इंग्लैंड के लिए वरदानः श्रीकांत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड की क्रिकेट इन दिनों एक नए स्तर और नए अंदाज में दिख रही है। इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टेस्ट और टी20 टीमों को बिल्कुल अलग–अलग रखा है। टेस्ट क्रिकेट में उसके कुछ अलग खिलाड़ी खेल रहे हैं और वनडे में कुछ अलग। भारतीय टीम के पूर्व ओपनिंग बल्लेबाज कृष्णमाचारी श्रीकांत को इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड का यह आइडिया खूब पसंद आया है। श्रीकांत ने कहा कि जल्दी ही दुनिया की बाकी टीमें भी इसी अंदाज को अपनाती दिखाई देंगी। एक लेख में इस पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, मुझे इंग्लैंड का यह आइडिया खूब पसंद आया है कि उन्होंने सफेद बॉल क्रिकेट के लिए अपनी टीम बिल्कुल अलग रखी हुई है। छोटे फॉर्मेट में उनकी इस कामयाबी के पीछे इस सोच का बड़ा हाथ है।

अभी भी सफेद–बॉल क्रिकेट में खेलने की क्षमता हैः अजिंक्य रहाणे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया की टेस्ट टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे के लिए आईपीएल का संस्करण क्रिकेट की शुरुआत से भी कहीं ज्यादा बढ़कर है। टीम इंडिया के लिए सफेद बॉल फॉर्मेट में दोबारा अपनी जगह बनाने का यह उनके पाक आखिरी मौका है। इस बार आईपीएल में रहाणे दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलेंगे। टूर्नमेंट से पहले उन्होंने गुरुवार को दुबई से वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उन्होंने बीते साल 50 ओवर वर्ल्ड कप के लिए की गई अपनी अनदेखी पर भी नाराजगी साफ जता दी। सीमित ओवर क्रिकेट में ओपनिंग से लेकर मिडल ऑर्डर तक किसी भी क्रम में खेलने वाले इस बल्लेबाज ने कहा, श्मैं यही सोच रहा था कि वर्ल्ड कप 2019 टीम में नंबर 4 के लिए मेरा नाम होगा। अब यह जा चुका है। लेकिन हां, मुझे अभी भी लगता है कि नंबर 4 के लिए मेरा नाम वहां होना चाहिए था।